पंजाब केसरी 13/11/2025

जी.एम.एन. कॉलेज में श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शिक्षाएं विषय पर हुआ सैमीनार

श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन बलिदान, करुणा और साहस का अप्रतिम उदाहरण : डा. सोहिंदर सिंह वीर

अम्बाला, 12 नवम्बर (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला छावनी में बुधवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शिक्षाएं विषय पर एक ज्ञानवर्धक सैमीनार का भव्य आयोजन किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन से प्रेरणा लेकर मानवता, सत्य और साहस के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का सफल आयोजन कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त के मार्गदर्शन में पंजाबी विभाग की विभागाध्यक्ष राजविंदर कौर के निर्देशन में किया गया।

सैमीनार के मुख्य वक्ता डा. सोहिंदर सिंह वीर ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन बलिदान, करुणा और साहस का अप्रतिम उदाहरण है। उन्होंने धर्म, मानवता और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राणों का त्याग किया, जो सम्पूर्ण मानव जाति के लिए प्रेरणा का स्रोत है। गुरु जी ने यह सिखाया कि सच्चा धर्म किसी एक समुदाय या पंथ तक सीमित नहीं होता, बल्कि समस्त मानवता की रक्षा में निहित है। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं हमें आपसी प्रेम, सहिष्णुता और न्याय की राह दिखाती हैं।

इस अवसर पर डा. प्रबलीन यादव, डा. पिंकी, सहायक प्राध्यापक सुजाता, अर्चना, जी.एम.एन. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अम्बाला छावनी की सहायक प्राध्यापक ज्योति, डा. एस.के. पांडे तथा जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक राजिन्दर मीरवाल सहित अनेक गणमान्य अध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सैमीनार में उपस्थित अध्यापकों व विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य वक्ता डा. सोहिंदर सिंह वीर। (चंद्रमोहन)

गुरु तेग बहादुर जी का जीवन सच्चाई, त्याग और सहिष्णुता की जीवंत मिसाल : डा. रोहित दत्त

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन सच्चाई, त्याग और सहिष्णुता की जीवंत मिसाल है। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि धर्म और मानवता की रक्षा के लिए कभी भी अन्याय के आगे झुकना नहीं चाहिए। आज के युवाओं को गुरु जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में सद्भाव, सेवा भावना और नैतिकता के मूल्यों को स्थापित करना चाहिए। यदि हम उनके उपदेशों को आत्मसात करें, तो निश्चित रूप से एक शांतिपूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

आयोजन की मुख्य संयोजक राजविंदर कौर, विभागाध्यक्ष, पंजाबी विभाग ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का व्यक्तित्व आध्यात्मिक ऊंचाइयों और मानवीय संवेदनाओं का संगम है। उन्होंने न केवल धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए सहिष्णुता और एकता का संदेश दिया। हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसे देश के नागरिक हैं जहां गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु तेग बहादुर जी तक ने मानवता की राह प्रशस्त की। इस सैमीनार का उद्देश्य विद्यार्थियों में गुरु जी के जीवन से जुड़ी प्रेरणाओं को जागृत करना और उन्हें जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. अनीश ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन का कार्य संगीत विभाग की सहायक प्राध्यापक डा. मंजीत कौर ने गरिमापूर्ण ढंग से सम्पन्न किया।